

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने समूह की महिलाओं से खरीदी राखियाँ

मण्डला। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे ने स्वदेशी स्व-सहायता समूह, सर्री नैनपुर की महिलाओं द्वारा तैयार की गई राखियों की खरीदारी की। उन्होंने समूह की महिलाओं द्वारा हाथ से तैयार की गई आकर्षक एवं पारंपरिक राखियों का अवलोकन किया और उनकी सराहना करते हुए राखियाँ खरीदीं। कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपने हुनर और मेहनत के माध्यम से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को भी पहचान दिला रही हैं। उनके द्वारा निर्मित राखियाँ स्वदेशी भावना, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उद्यमिता का सुंदर उदाहरण हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि पर्व-त्वीहारों के अवसर पर स्थानीय कारीगरों एवं स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जाने वाले उत्पादों को प्राथमिकता दें। इससे समूह की महिलाओं को उनके उत्पादों का बेहतर बाजार मिलेगा तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। इस अवसर पर स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि राखियों को तैयार करने में स्थानीय सामग्री और पारंपरिक कला का उपयोग किया गया है। विभिन्न रंगों, डिजाइनों और आकर्षक सजावट वाली राखियों को तैयार करने में महिलाओं ने विशेष मेहनत की है। रक्षाबंधन के अवसर पर इन राखियों की अच्छी मांग है, जिससे समूह की महिलाओं में उत्साह का माहौल है।

हनुमानजी मंदिर में श्रीरामचरित मानस पाठ एवं रूद्राभिषेक का आयोजन

मण्डला। सावन माह अंतर्गत जगह-जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। इसी कड़ी में जिला जेल के पास स्थित हनुमान जी मंदिर में श्रीरामचरित मानस अखंड पाठ एवं रूद्राभिषेक का आयोजन किया गया। श्री पवनसुत हनुमान मंदिर समिति जेल ग्राउंड, मंडला के अध्यक्ष किशन लाल शर्मा ने बताया कि हर साल सावन के पवित्र महिने में श्रीराम चरित मानस पाठ एवं यहां भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया जाता है। इसी कड़ी में शनिवार को श्रीरामचरित मानस का अखंड पाठ सुबह शुरू किया गया था इसी के साथ इसी दिन रूद्राभिषेक भी किया गया। वहीं दूसरे दिन रविवार को श्रीराम चरित मानस पाठ का समापन पूजन, हवन एवं प्रसाद वितरण के साथ किया गया। इस पूरे आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पर्व	पशुधन का तिलक लगाकर करते स्वागत फिर खिलाते उन्हें पकवान।
------	--

भीमा नवा मण्डला की माटी का अनोखा पर्व

* ईष्ट देवी-देवताओं की होती पूजा फिर परिवार करता एक साथ भोजन।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

शुक्रवार को मवाई विकासखंड के नयेगांव (नवगांवा) में आदिवासी परंपरा का अनोखा पर्व भीमानवा जीवंत हुआ। पूरे गांव के साथ ग्रामीण समाजसेवी और गोंडवाना गीतकार धन सिंह परते के परिवार ने भी पुरखों से चले आ रहे इस पर्व को बड़े ही प्राकृतिक विधि-विधान से मनाया। मण्डला जिले की आदिवासी परंपरा का यह एक ऐसा पर्व है जो किसी कैलेंडर में नहीं, बल्कि गांव के बुजुर्गों की बैठक में सालाना तय होता है।

क्या है भीमा नवा पर्व

मण्डला जिले में आदिवासी मान्यताओं के चलते भीमा नवा का पर्व हरियाली अमावस्या पर्व के पहले मनाये की परंपरा है। यदि किसी कारणवश इस पर्व को समय पर नहीं मना पाने की स्थिति में हरियाली अमावस्या और रक्षाबंधन के बीच भी इसे मना लिया जाता है। इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है



इसकी एकता। अपनी सुविधानुसार पूरा गांव एक साथ इसे मनाता है। कुछ दिन पहले गांव के बड़े-बुजुर्ग किसी एक स्थान पर बैठकर तय करते हैं,जिसे टीवा करना भी कहा जाता है। कि पर्व किस दिन मनाया जाएगा,और तय दिन को पूरे गांव में काम-धाम बंद, हड़ताल जैसा माहौल। कोई खेत नहीं जाएगा, कोई काम-धंधा नहीं। पूरा परिवार घर पर रहकर आराम करता है। लोग गांव में घूम-घूमकर एक-दूसरे से मिलते जुलते हैं।

गांव के एक कोने से दूसरे कोने

तक दिनभर पकवान की महक बनी रहती है। खासकर उड़द दाल के कुरकुरे बड़े, चावल आटा और गुड़-शक्कर के मिश्रण से बने चोला-उल्टा, रोहू आटा गुड़-शक्कर मिलाकर बने बबरा, गुलगुले पकाने का रिवाज प्रायः हर घर में जीवंत है।

क्या है विधान भीमानवा का

गांव के ऐसे तीज-त्वीहारों में घरों का दृश्य कुछ ऐसा होता है। कुछ लोग इसे भीमा नवा कहते हैं, पर सामान्य बोलचाल में इसे भीमा ही

कहते हैं। इस दिन गोबर और लुई मिट्टी से घर की जमीन की लिपाई जरूर की जाती है। बड़े-बुजुर्ग पति-पत्नी उपवास रखते हैं। शाम ढलते ही अन्न माता की गोंगो पूजा होती है और असली नजारा तो शाम का होता है, जब घर की उपवासी बहू-बेटियां व बुजुर्ग ग्रामीण और देशी परिवेश में स्वच्छ वस्त्र धारण कर कांसा के गडुआ (लोटा) में पानी भरकर कांसा की ही थाली में पकवान सजाकर घर के फाटक में तैयार खड़ी रहती हैं। दिनभर जंगल में चरकर लौटते गाय-बैलों और

पशुधन का ये बहू-बेटियां सबसे पहले मुंह धुलाकर, हल्दी-चावल का टीका लगाकर स्वागत करती हैं और फिर माताएं उन्हें बड़े प्यार से पकवान खिलाती हैं। यह प्यार पाकर इन मवेशियों का अपनापन भी उमड़ पड़ता है, जो इनकी किसी एक स्थान पर बैठकर तय करते हैं,जिसे टीवा करना भी कहा जाता है। कि पर्व किस दिन मनाया जाएगा,और तय दिन को पूरे गांव में काम-धाम बंद, हड़ताल जैसा माहौल। कोई खेत नहीं जाएगा, कोई काम-धंधा नहीं। पूरा परिवार घर पर रहकर आराम करता है। लोग गांव में घूम-घूमकर एक-दूसरे से मिलते जुलते हैं।

गांव के एक कोने से दूसरे कोने

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकास खण्ड मंडला जिला मंडला में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत पीएमश्री रानी दुर्गावती महाविद्यालय मंडला में समस्त छात्र-छात्राओं का तिलक वंदन एवं पौधा देकर वर्ष 2026-27 की बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं का शुभारंभ एक पेड़ माँ के नाम एवं नशामुक्ति अभियान की थीम पर किया गया। विकासखण्ड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने संचालित कोर्स के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी मुख्य अतिथि दरियाव सिंह सूर्यवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (CMCLDP) का मुख्य उद्देश्य स्व-प्रेरणा से ग्राम व समाज के विकास में योगदान देने वाले युवाओं को शिक्षित कर सशक्त सामाजिक नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम युवाओं में नेतृत्व कौशल और सामाजिक कार्य की समझ बढ़ाता है। जन अभियान परिषद् के माध्यम से पूरे प्रदेश में लगभग 50 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं प्रत्येक छात्र छात्राओं को एक-एक गांव प्रयोगशाला के रूप में दिया जाता है।



एवं सप्ताह में एकदिन संपर्क कक्षाएं संचालित होती हैं। इन छात्रों के माध्यम से शासन विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को गांव में प्रचार प्रसार किया जाता है। विशिष्ट अतिथि विनायक राव तांबे ने स्वदेशी अपनाओ इस बचाओ के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने ही देश में बनी वस्तुओं और सेवाओं को प्राथमिकता देना। इससे स्थानीय कारीगरों, किसानों और उद्योगों को बढ़ावा मिलता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और विदेशी मुद्रा की बचत होती है। इसी

कड़ी में समाजिक कार्यकर्ता श्रीमती प्रिया धुर्वे ने बताया कि एक अच्छे नेतृत्वकर्ता (लीडर) में सत्यनिष्ठा (ईमानदारी), स्पष्ट संचार कौशल, दूरदृष्टि (विजन), और सहानुभूति जैसे गुण होते हैं। वे अपनी टीम का मार्गदर्शन करते हैं, जिम्मेदारी लेते हैं, और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं। वंदेमातरम गीत के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन आशीष नामदेव द्वारा किया गया एवं समस्त प्रतिभागियों का आभार रागिनी हरदहा द्वारा व्यक्त किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत लपटी जनपद, पंचायत विछिया, जिला मण्डला (म.प्र.)

कोटेशन आमंत्रण सूचना

दिनांक - 24/08/2026

वित्तीय वर्ष 2026-27 ग्राम पंचायत लपटी अंतर्गत आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया जाना है

इच्छुक सलाहगारों से ईट रेत, गिट्टी, 40 एमएम, 20 एमएम, सीमेंट, सरिया मुरम की सलाई हेतु कोटेशन आमंत्रण किया जाता है। सामग्री की दर समस्त कर सहित होना। कोटेशन प्रकाशन की तिथि से दस दिवस के अंदर कार्यालय में या पोस्ट के माध्यम से प्राप्त किया जा सकेगा।

सचिव, ग्राम पंचायत लपटी ज.पं. विछिया, जिला मण्डला (म.प्र.)

सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल परिसर में सुरक्षा की अनदेखी

स्कूल में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ का आरोप

* स्कूल परिसर में पड़ा लोहे का कबाड़ एवं मशीनें।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला/नारायणगंज

शिक्षा के मंदिर में बच्चों को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के दावों की पोल सरस्वती ज्ञान मंदिर विद्यालय नारायणगंज में खुलती नजर आ रही है। विद्यालय परिसर में बच्चों के खेलने तक के लिए समुचित मैदान नहीं है। बारिश के दौरान बच्चे कीचड़ के बीच खेलने को मजबूर हैं, वहीं परिसर में ट्रैक्टर, जेसीबी मशीन, पिकअप सहित लोहे का कबाड़ और अन्य सामान पड़ा होने से बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ऐसे हालात में किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक कमरे में दो-दो कक्षाएं, पढ़ाई की गुणवत्ता पर सवाल

विद्यालय में व्यवस्थाओं की स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक ही कमरे में दो-दो कक्षाएं संचालित किए जाने की बात सामने आई है। इससे न केवल विद्यार्थियों को पढ़ाई में परेशानी होती है, बल्कि कक्षाओं में अनुशासन और शिक्षण की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। विद्यालय में बीएड/डीएड योग्य शिक्षकों की उपलब्धता को



लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि यहां 12वीं फसटीयर सेकेनडिअर के शिक्षकों के द्वारा छोटे बच्चों को पढ़ा रहे हैं। यदि यह स्थिति सही है तो यह विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और बच्चों के भविष्य के प्रति गंभीर लापरवाही का मामला है। शिक्षा विभाग को विद्यालय की शिक्षक व्यवस्था और शिक्षकों की शैक्षणिक योग्यता की जांच करनी चाहिए।

प्रधानाचार्य का गैर-जिम्मेदाराना जवाब चर्चा में

जब विद्यालय की व्यवस्थाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े इन गंभीर सवालों को लेकर प्रचार्य नरेंद्र कुशवाहा से बात की गई तो उनका कथित जवाब था— “तुम्हें जो लगे वह कर लो और छाप लो, मुझे

फर्क नहीं पड़ता।” प्रधानाचार्य की ओर से कथित तौर पर दिया गया यह जवाब स्वयं विद्यालय प्रबंधन की संवेदनशीलता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े सवालों पर यदि जिम्मेदार अधिकारी या संस्था गंभीरता नहीं दिखाएंगी तो जवाबदेही आखिर किसकी होगी?

जिम्मेदार विभाग करे तत्काल जांच

विद्यालय परिसर में खड़े भारी वाहनों जैसे जेसीबी ट्रैक्टर पिकअप ट्रॉली और लोहे के

सामान को तत्काल हटाने, बच्चों के लिए सुरक्षित खेल मैदान उपलब्ध कराने, कक्षाओं की स्थिति सुधारने तथा शिक्षकों की योग्यता और

पदस्थापना की जांच कराने की मांग उठ रही है। शिक्षा विभाग को मामले का संज्ञान लेकर मौके का निरीक्षण करना चाहिए, ताकि किसी संभावित दुर्घटना के बाद जिम्मेदारी तय करने की नौबत न आए।

इनका कहना है-

मामला आपके द्वारा संज्ञान में लाया गया है। इस संबंध में जांच दल गठित कर जांच कराई जाएगी तथा जांच प्रतिवेदन वरिष्ठ

कार्यालय की अग्रिम कार्रवाई हेतु भेजा जाएगा।

-राजेश विधुकर्मा, बीईओ, नारायणगंज



तुलसी जयंती पर हुआ भव्य आयोजन

मण्डला। विकास दिवस हिंदी साहित्य समिति में अखिल भारतीय साहित्य परिषद मंडल के संयुक्त तत्वावधान में गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती समारोह पूर्वक संपन्न हुई कार्यक्रम में के एल सोनी मुख्य अतिथि एवं अरविंद शुक्ला अध्यक्ष रहे जबकि विशिष्ट अतिथि विनोद सुरेश्वर एवं विजय अग्रवाल रहे समिति की अध्यक्ष प्रतिमा वाजपेई ने बताया कि शालेय स्तर पर रामचरितमानस पर आधारित वाद विवाद, तुलसी पद गायन, निबंध एवं किंवदन्तिप्रयोगिता का आयोजन किया गया जिसमें नगर के बल वेदर इंटरनेशनल स्कूल, महर्षि विद्या मंदिर, मॉन्टेफर्ट स्कूल निर्मला कान्वेंट स्कूल, भारत ज्योति, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जगन्नाथ उत्कृष्ट विद्यालय ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल, पीएम श्री कन्या शाला महाराजपुर आदि शालाओं के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। समिति के सचिव ज्योति प्रकाश अग्रवाल ने बताया की कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में मानस के प्रति प्रेम श्रद्धा एवं सम्मान जागृत करना है एवं उन्हें रामचरितमानस से परिचित कराना है। सेंट्रल बैंक आफ इंडिया शाखा मंडला के विशेष सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में शाखा से सुजाय कुमार एलडीएम नितिन बोहरा ब्रांच मैनेजर एवं अन्य अधिकारियों ने स्वयं उपस्थित होकर प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किया एवं उनका उत्साह वर्धन करते हुए कार्यक्रम की भूरी भूरी प्रशंसा की। प्रश्न मंच का संचालन अर्चना जैन ने किया जबकि तुलसी पद गायन का दाथिल्व सुनीता सोनी एवं ममता चौरसिया ने निर्वहन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉक्टर किर्ती मनीष दुबे ने किया कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र मानस से संबंधित साहित्य एवं प्रत्येक विद्या के लिए शाला को रिंगिंग शीलड प्रदान की गई। समिति के अनुसार आगामी दिवसों में व्याख्यान माला और भजन संध्या का भी आयोजन चल रहा है। कार्यक्रम में प्रतिभागी विद्यार्थियों मार्गदर्शी शिक्षकों सहित नगर के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थिति दर्ज कराई।



पीएमश्री रानी दुर्गावती महाविद्यालय मंडला में BSW MSW की कक्षाओं का विधिवत संचालन

हरिभूमि न्यूज़ ►► मण्डला

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकास खण्ड मंडला जिला मंडला में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत पीएमश्री रानी दुर्गावती महाविद्यालय मंडला में समस्त छात्र-छात्राओं का तिलक वंदन एवं पौधा देकर वर्ष 2026-27 की बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं का शुभारंभ एक पेड़ माँ के नाम एवं नशामुक्ति अभियान की थीम पर किया गया। विकासखण्ड समन्वयक संतोष कुमार झारिया ने संचालित कोर्स के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी मुख्य अतिथि दरियाव सिंह सूर्यवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (CMCLDP) का मुख्य उद्देश्य स्व-प्रेरणा से ग्राम व समाज के विकास में योगदान देने वाले युवाओं को शिक्षित कर सशक्त सामाजिक नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करना है। यह पाठ्यक्रम युवाओं में नेतृत्व कौशल और सामाजिक कार्य की समझ बढ़ाता है। जन अभियान परिषद् के माध्यम से पूरे प्रदेश में लगभग 50 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं प्रत्येक छात्र छात्राओं को एक-एक गांव प्रयोगशाला के रूप में दिया जाता है।



एवं सप्ताह में एकदिन संपर्क कक्षाएं संचालित होती हैं। इन छात्रों के माध्यम से शासन विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को गांव में प्रचार प्रसार किया जाता है। विशिष्ट अतिथि विनायक राव तांबे ने स्वदेशी अपनाओ इस बचाओ के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने ही देश में बनी वस्तुओं और सेवाओं को प्राथमिकता देना। इससे स्थानीय कारीगरों, किसानों और उद्योगों को बढ़ावा मिलता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और विदेशी मुद्रा की बचत होती है। इसी

कड़ी में समाजिक कार्यकर्ता श्रीमती प्रिया धुर्वे ने बताया कि एक अच्छे नेतृत्वकर्ता (लीडर) में सत्यनिष्ठा (ईमानदारी), स्पष्ट संचार कौशल, दूरदृष्टि (विजन), और सहानुभूति जैसे गुण होते हैं। वे अपनी टीम का मार्गदर्शन करते हैं, जिम्मेदारी लेते हैं, और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं। वंदेमातरम गीत के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन आशीष नामदेव द्वारा किया गया एवं समस्त प्रतिभागियों का आभार रागिनी हरदहा द्वारा व्यक्त किया गया।



जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर कल निकलेगा नगर में मुस्लिम समाज का मोहम्मदी जुलूस

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। मुस्लिम समुदाय द्वारा पेंगंबर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के योमे पैदाइश जन्मदिन जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर्व खुशनुमा अंदाज में हर्ष उल्लास के साथ कल 26 अगस्त को मनाया जाएगा। शहर की जामा मस्जिद द्वारा मोहम्मद मुस्तफा की शांति में दोपहर 1 बजे नए बस स्टैंड बाबली दरगाह से आलीशान जुलूस निकाला जाएगा। बताया जाता है कि नगर के नये बस स्टैंड से जुलूस प्रारंभ होकर पुरानी गल्ला मंडी, राज स्कूल, शुक्रवारा बाजार, शिवालय चौक, शक्ति चौक, मुन्ना मिर्छी, महावीर भवन से होते हुये पानी की टंकी छोटी मस्जिद से वापस होकर चावडी, चौकी, झंडाचोक, बड़ा सराफा होते हुए पुरानी गल्ला मंडी से जामा मस्जिद शुक्रवारा बाजार में समापन होगा । जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर मस्जिदों में विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जाएंगे । वही बाबली नए बस स्टैंड, शुक्रवारा बाजार, शक्ति चौक, मदीना दरबार, काजी मोहल्ला क्षेत्र में सुंदर सजावट की गई है। विद्युत साज सज्जा से मस्जिदों को रोशन किया गया है। नगर में अनेक स्थानों पर स्वागत की तैयारियों की जा रही है । मुस्लिम समुदाय द्वारा इस साल भी ईद मिलादुन्नबी पूरे अकोदित और एहतराम के साथ मनाई जाएगी। आज 25 अगस्त को शक्ति चौक पर मदीना मुनक्का का रोजा झांकी दीदार के लिए रखी जायेगी। वही नगर की जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान ने सांप्रदायिक सौहार्द के साथ इस मुबारक मौके पर लोगों से ज्यादा से ज्यादा तादात में जुलूस में शामिल होकर सवाब ए-दारन हासिल करने की अपेक्षा व्यक्त की गई है। जुलूस के संदर्भ में पुलिस प्रशासन ने मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधि मंडल से मुलाकात कर जुलूस एवं आयोजन की संपूर्ण तैयारियों सहित जुलूस की गतिविधियों से अवगत कराया गया। वही नगर के उप पुलिस अधीक्षक ललित कुमार डागुर तथा नगर निरीक्षक अशोक सिंह चौहान ने प्रशासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन करने को कहा गया है। इस तरह शासन के आदेश अनुसार ही संपूर्ण तैयारिया की जा रही है।

नगर के कन्या नवीन जनशिक्षा केंद्र पर आयोजित हुआ शैक्षिक संवाद कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। नगर के जन शिक्षा केंद्र पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उ मा विद्यालय में बीते हुये दिवस कक्षा छठवीं से कक्षा आठवीं तक अध्यापन कराने वाला माध्यमिक शाला के शिक्षकों के लिए “कक्षा से जुड़ाव एवं जायफुल लार्निंग हेतु एक पहल” विषय पर शैक्षिक संवाद का आयोजन जन शिक्षा केंद्र प्रभारी प्राचार्य सतीश नाईक के मार्ग दर्शन तथा विकासखंड खोत समन्वयक संदीप स्थापक के निदेशन में किया गया। इस अवसर पर स्थापक ने कहा कि संवाद का उद्देश्य शिक्षकों को ऐसी शिक्षण प्रक्रियाओं से परिचित कराना था, जिनके माध्यम से कक्षा का वातावरण अधिक आनंद दायक, सहभागितापूर्ण, सुरक्षित एवं विद्यार्थियों से जुड़ाव वाला बनाया जा सके। शैक्षिक संवाद का संचालन एवं सहजकर्ता की भूमिका सचिन लहरिया द्वारा निभायी गई। इस दौरान उन्होंने शिक्षकों के साथ पिछले संवादों में चर्चा किए गए प्रमुख बिंदुओं, गतिविधियों एवं उनके कक्षा-कक्ष में किए गए प्रयोगों पर विचार-विमर्श किया। इस संवाद के दौरान आनंददायी अधिगम की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान प्राचार्य नाईक ने बताया कि सीखना केवल पाठ्यपुस्तक, प्रश्न-उत्तर एवं लिखित कार्य तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के लिए ऐसा अनुभव बनना चाहिए जिसमें वे उत्साहपूर्वक भाग लें, प्रश्न पूछें, अपनी बात रखें और सीखने की प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बनें। संवाद में शिक्षकों ने गतिविधियों में स्वयं भाग लेकर यह अनुभव किया कि विद्यार्थी तभी बेहतर ढंग से सीख पाते हैं।

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को क्षेत्र में देखने मिली कावड़ यात्राओं की धूम, डमरूघाटी पर दिन भर लगी रही भक्तों की भीड़, बम भोले के जयकारों से गुंजयमान हुआ क्षेत्र..



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। विदाई लेने की ओर पहुंच चुके सावन माह के चलते नगर सहित क्षेत्र के गांवों में लगातार अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मची हुई देखी जा रही है। मगर कल सावन मास के चौथें व अंतिम सोमवार होने के चलते शिव मंदिरों में भक्तों का जन सैलाब उमड़ने से नही चूक रहा था। वही दूसरी ओर इस दिवस क्षेत्र में कबाड़ यात्राओं की धूम भी देखने मिली। वही दूसरी ओर नगर व क्षेत्र में आस्था का केन्द्र माने जाने वाले शिवधाम डमरूघाटी श्रावण माह का अंतिम सोमवार होने के कारण मेला जैसा महौल निर्मित होते हुये देखा गया। शिवजी की आराधना में लीन रहने के लिये



सावन माह के अंतिम सोमवार को हर हर महादेव के जयकारों गुंज उठा क्षेत्र, मंदिरों के साथ साथ घरों में भी मोलेनाथ की भक्ति में लीन हुये लोग



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। श्रावण मास को समाप्ति की घडी समीप होने से शिव भक्तों को ऐसा महसूस होते हुए प्रतीत हो रहा है कि मानों व भोलेनाथ से एक साल के लिये बिछड़ रहे है। इसी के चलते कल सावन मास के अंतिम सोमवार को शहर से लेकर गांव गांव शिव मंदिरों पर जिस प्रकार के आयोजन होते हुये देखे गये वह निश्चित तौर से एक अनोखा संदेश देने से नही चूक रहे थें। वैसे देखा जावे तो संपूर्ण क्षेत्र के लिये आस्था का केन्द्र बन चुके शिवधाम डमरूघाटी पर वैसे भी श्रावण मास के चारों सोमवारों को मेले जैसा महौल देखने मिला है। मगर आखिरी सोमवार को जिस प्रकार का नजारा देखा गया कि शहर के शक्कर नदी पुल पर जाय के हालत बनने से नही चूक पाये थें। वही दूसरी ओर नगर के शिव मंदिरों में जहां तहां रूद्री निर्माण से लेकर श्वाव अभिषेक, महा मृत्युं जाप सहित अन्य तरह की अनुष्ठान होते हुये देखे गये। वही गांव गांव अखंड रामायण पाठ के चलते चौपाईयों से संपूर्ण क्षेत्र गुंजते हुये देखा जा रहा है। वही दूसरी ओर गांव गांव शिव मंदिरों पर सोमवार के दिवस लोगों

को शिव जी की आराधना में पूर्णरूप से लीन होते हुये देखा गया। इस तरह सावन मास को समाप्ति की बेला मे जहां अनेक जगहों पर रामायण पाठ, श्रीमद भागवत, शिव पुराण, रामस्तता, शिव रूद्री निर्माण सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। सावन मास का अंतिम सोमवार होने के कारण शिव भक्तों को भगवान भोले शंकर की भक्ति में लीन होकर उन्हें अलग ही रूप में आराधना करते हुये देखा गया। गांव गांव महिलाओं ने मिट्टी से निर्मित किये गये शिवलिंगों का पूर्ण विधि विधान के साथ अभिषेक करते हुये अपने परिवार व क्षेत्र की खुशहाली की कामना की गई। इस प्रकार से समीपस्थ ग्राम कान्हरगांव साई मंदिर में प्रत्येक वर्ष सावन के महिने में रूद्री निर्माण एवं रूद्राभिषेक का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी जहां ग्रामीणों में उत्साह के साथ शिवजी लिंग यानि रूद्री निर्माण करने के साथ उनका बड़े ही धूमधाम के साथ अभिषेख किया गया। वही ग्राम ललवानी में भी लोगों द्वारा रूद्री निर्माण करते हुये पूजन करने में कोई कसर नही छोडी गई है।



प्रमुख माने जाने वाले श्रावण मास के अंतिम चरण व आखरी सोमवार होने के चलते शिव भक्तों द्वारा क्षेत्र में तीन बडी बडी काबड़ यात्रायें निकालते हुये माँ नर्मदाजी के निर्मल नीर से श्वाजी का अभिषेख किया गया। बताया जाता है कि माँ नर्मदाजी के ककराघाट से शिव भक्तों द्वारा निकाली गई काबड़ यात्रा में सैकड़ों की संख्या में शामिल लोगों द्वारा नर्मदा जल से डमरूघाटी पहुंचकर शिवजी का अभिषेख किया गया। वही इस काबड़ यात्रा का जगह जगह लोगों द्वारा स्वागत किया गया। वही दूसरी ओर समीपस्थ माँ नर्मदाजी के शोक्लपुर घाट से क्षेत्र के लोगों द्वारा धूमधाम के साथ निकाली गई काबड़ यात्रा में ग्राम



सहित अन्य शिवभक्तों की टीम द्वारा भी भव्य काबड़ यात्रा निकाली गई जो शोक्लपुर माँ नर्मदा जी का जल लेकर शामिल सैकड़ो काबड़ यात्रियों द्वारा पैदल पहुंचकर शिवजी का अभिषेख किया गया। बताया जाता है कि इस कबाड़ यात्रा के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के लोगों द्वारा माँ नर्मदाजी का पूजन अर्चन करते हुये यात्रा का शुभारंभ किया। इसी प्रकार से समीपस्थ ग्राम कौडिया हिंदू उत्सव समिति द्वारा माँ नर्मदाजी की थरेंरी घाट से विशाल कावड़ यात्रा निकाली गई जिसमें अनेक संतों के साथ साथ तेंदुखड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल सहित अन्य भक्तों ने शामिल होकर पुण्य लाभ लेते हुये



श्वजवी का पूजन अर्चन किया गया। इस प्रकार से श्रावण मास का अंतिम सोमवार पूरे दिन शिवभक्ति में लोगों को लीन रहते हुये देखा गया तो दूसरी ओर शिवधाम डमरूघाटी सिर्फ नगरवासियों के लिये ही नही बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के लोगों के लिये आस्था का केन्द्र माना जाता है। इसी के चलते यहां पर शिव भक्तों की भीड़ उमड़ते हुये देखी जाती है। वही दूसरी ओर मौसम साफ रहने के कारण शिवधाम डमरूघाटी में शिवभक्तों का मेला लगा रहा जिसके चलते स्थिति इस तरह से बनी हुई थी की मुख्य मार्ग पर जाम की हालात पैदा होने के चलते पुलिस प्रशासन की टीम को जरूरी व्यवस्थाये बनाते हुये देखा गया।

सालीचौका स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों की मांग को लेकर युवक कांग्रेस ने बीएमओ को सौंपा ज्ञापन, शीघ्र निदान न होने पर तालाबंदी की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जहां एक ओर सरकार द्वारा हर व्यक्ति को अच्छी स्वास्थ्य सेवाये देने की बात तो की जा रही है। मगर सबाल यह पैदा हो रहा है कि जब स्वास्थ्य केन्द्रो पर डाक्टर ही नही होंगे तो फिर क्या मरीज सिर्फ भवनों के दर्शन करके ही ठीक हो जावेगे..? इस तरह स्वास्थ्य केन्द्रो में डाक्टरों की कमी केन्द्र से लेकर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की सच्चाई को उजागर करने से नही चूक रही है। यह बात अलग है कि सरकार द्वारा आयुषमान कार्ड के माध्यम से साल में 5 लाख रुपया तक को फ्री इलाज की बात कही जा रही है। मगर इस कार्ड के माध्यम से गंभीर बीमारियों के इलाज होते है। गांव में ल्वास करने वाले लोगों को सदा ही उस कार्ड की जरूरत नही होती है। हाल यह बना हुआ है कि गांव के लोगों को छोटी बीमारियों का जब इलाज उपलब्ध नही हो पा रहा है तो फिर क्या वह आयुषमान कार्ड के दर्शन मात्र से अपनी बीमारियाँ भगा पायेगे..? सही मायने में देखा जावे तो सरकार द्वारा कहने के ल्थये तो गांव व कस्बा क्षेत्र में स्वास्थ्य केन्द्रो की स्थापना करते हुये हर साल आमजन को अच्छा इलाज के नाम पर पैसा खर्च किये जाने के लिये बजट तैयार किया जा रहा है। मगर उस बजट के माध्यम से खर्च की जाने वाली राशि का आमजन को किसी तरह से कोई लाभ मिलते हुये दिखाई नही दे रहा है। सही मायने में देखा जावे तो स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टरों के आभाव के चलते आमजन परेशान होने से नही चूक रहा है। इस बात की सच्चाई नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में देखने मिल रही है। बताया जाता है कि



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सालीचौका में करीब दो माह से नियमित चिकित्सक नहीं होने से क्षेत्र के मरीजों चल रही बारिश के मौसम में मौसमी बीमारियों से परेशान होकर लज्जी डाक्टरों की शरण में जाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इसी तरह आमजन की परेशानी को लेकर युवक कांग्रेस द्वारा शीघ्र ही स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों की नियुक्ति की मांग करते हुये यहां के बीएमओ डा.अनिल पटेल को ज्ञापन सौंपकर तत्काल डॉक्टरों की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई। इस दौरान शामिल हुये मप्र कांग्रेस सचिव मनीष राय (छोट भैया) ने चेतावनी देते हुए कहा कि शीघ्रातिशीघ्र समाधान नहीं हुआ तो सामुदायिक स्वास्थ्य की तालाबंदी जैसा कदम उठाने के लिये मजबूर हो सकते है..? युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष शास्वत राय ने बताया की सही मायने में देखा जावे तो देश व प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी जहां आमजन को स्वास्थ्य सेवाये प्रदान करने का जिस तरह से ढिंढोरा पीड रही है वह

पूर्णरूप से झूठ साबित होने से नही चूक रहा है। वही सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेखित किया गया है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पिछले लंबे समय से नियमित चिकित्सकों की व्यवस्था नहीं होने के कारण क्षेत्र के मरीजों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ रहा है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले गरीब, मजदूर, महिलाएं, बुजुर्ग एवं बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। युवाकांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष शास्वत राय के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सालीचौका में तत्काल नियमित चिकित्सकों की पदस्थापना, डॉक्टरों की व्यवस्था होने तक वैकल्पिक चिकित्सकीय व्यवस्था, मरीजों को आवश्यक प्राथमिक एवं आकस्मिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा चिकित्सकों की अनुपस्थिति के कारण उत्पन्न समस्याओं का स्थायी समाधान किए जाने की मांग की गई है। क्योंकि सालीचौका के इस स्वास्थ्य केन्द्र पर नगर सहित

आसपास के लगभग 50 गांव निर्भर है। वही इस समय मौसमी बीमारियों के चलते हर घर में मरीज देखने मिल रहा है जो इलाज के लिये बड़ी उम्मीद से आते है। मगर यहां पर उन्हें स्वास्थ्य सुविधा मौजूद नही रहने के चलते लज्जी डाक्टरों के पास जाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। इस सौंपे गये ज्ञापन के मौके पर डॉ. यतीन्द्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष पवन शुक्ला, नगर अध्यक्ष योगेश पटेल, भुवन पटेल, सूरज राय,गणेश शर्मा, सुनील राय, राम सहाय पटेल,अवधेश चौकसे, उमेश पाली, शैलेन्द्र पटेल,बेनी सिंह सेजवार तथा पूर्व सरपंच भगवदास मेहरा, कमलेश विश्वकर्मा, संजू सोनी, एकांत पटेल, आयुष चौकसे, उमा कांत गुजर, राजा पटेल,सुयश पटेल,उमंग पटेल, सागर श्रीवास, रोहित राजपूत, हेमंत पटेल, शिवम राय, सन्नी खरे, सौरभ स्थापक, कल्लू पटवा, सूर्या पटेल, अंकित पटेल, दामोदर पटेल. प्रकाश श्रीवास, गोलू महोबिया, लखन सिंह कहार सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्तागण मौजूद थें।

नगर के वार्ड क्रमांक 15 में पर्यावरण की रक्षा का संदेश देते हुये किया वृहद स्तर पर वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। जीवन को सुरक्षित रखने के ल्थये पर्यावरण की स्वच्छा जरूरी है। मगर देखा जा रहा है कि ज़स तरह लोगों द्वारा पेड़ो पर कुल्हाडी चलाते हुये उन्हें काटा जा रहा हे यह सोच आने वाले समय में भारी पड़ने से नही चूक पायेगी। क्योंकि पेड़ो से मिलने वाली स्वच्छ हवा का जब आभाव हो जावेगा तो जीवन संकट में पड़ने से नही चूक पायेगा..? इसी बात को ध्यान में रखते हुये बीते हुये दिवस नगर परिषद सालीचौका के वार्ड क्रमांक 15 में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान में वार्ड क्रमांक 15 के समाजसेवी सुरेन्द्र (आशीष अग्रवाल) द्वारा 100 पौधों का सहयोग प्रदान करते हुये पर्यावरण की रक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। इस तरह जनसहयोग से नगर के वार्ड



क्रमांक 15 में वृक्षारोपण का कार्य निरंतर जारी रहेगा। नगर परिषद द्वारा नागरिकों से भी अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता करने की अपेक्षा व्यक्त की गई। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी भवानी प्रसाद शर्मा, उपवंत्री मोहिनी कड़पेती, तेजपाल पटेल, वार्ड क्रमांक 13 के पार्षद गणेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नगर परिषद के कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर परिषद अधिकारियों ने कहा कि जनसहयोग से चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य नगर को अधिक हरा-भरा एवं स्वच्छ बनाना है। समाजसेवियों और नागरिकों का सहयोग पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यदि हर व्यक्ति के दिल में एक पेड़ लगाने की सोच बन जावेगी तो सालीचौका नगर को हरियाली की चुनरी पहनाने में देर नही लगेगी।

विदाई ले रही श्रावण मास के सोमवार को शिव मंदिरों में शिव अभिषेक के दिन भर सुनाई देती रही हर हर महादेव की ध्वनि...



हरिभूमि न्यूज/गाइरवारा। निश्चित तौर सावन माह शिवजी की आराधना के लिये प्रमुख माना जाता है। हर साल देखा जाता है कि जब श्रावण मास की शुरूआत होती है तो महिलाये पूर्णरूप से श्वाजवी की आराधना में लीन होने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार का हाल विदाई देने की ओर पहुंच चुके श्रावण मास के आखिरी सोमवार को देखने मिला। क्योंकि इस साल श्रावण मास में कुल चार सोमवार होने के चलते यह अंतिम सोमवार होने के कारण शिवजी की आराधना से कोई बंचित नही होना चाहता था। इसी के चलते दिन भर जहां नगर के शिव मंदिरों पर शिव अभिषेक होने के कारण चारो ओर हर हर महादेव की ध्वनि गुंजते हुये सुनाई दे रही थी तो महिलाये पूर्णरूप से शिवजी की आराधना में लीन होकर उनकी पूजन में कोई कसर बाकी नही छोड़ रही थी। वही नगर के प्रमुख माने जाने वाले शिव मंदिरों में विजय कालोनी शिव मंदिर, नर्मदा कालोनी शिव मंदिर, सिंचाई विभाग कार्यालय के पास स्थित शिव मंदिर, समीपस्थ पौड़ार स्थित शिव मंदिरों में



विशेष रूप से शिव अभिषेक कार्यक्रमों आयोजित होते हुये देखे गये। जहां पर शिव भक्त पूर्णरूप से शिव भक्ति में लीन होकर नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र की रक्षा के लिये भगवान भोलेनाथ से आशीर्वाद मांगा। क्योंकि माँ गंगाजी को अपनी जटाओं में रखने वाले भगवान शंकर जी भक्तों की जरा सी आराधना पर प्रसन्न हो जाते है और यह बात भगवान श्रीरामचंद्र जी ने भी कही है कि जब तक कोई मानव भगवान शिवजी की आराधना नही करता है तब तक भगवान श्रीरामजी के नजदीक नही पहुंच पाता है। भोलेनाथ भक्तों को संकट को जरा सी आराधना के उपरांत ही हरण करने से नही चूकते है। इसी के चलते प्रतिवर्ष देखा जाता है कि साबन मास में लोग भगवान शिवशंकर की भक्ति में लीन होने से नही चूकते है। क्योंकि जो शिवजी की आराधना करता है उसकी मनोकामना पूर्ण होने में देरी नही लगती है। वही धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि जो सुहागिन महिलाएं व्रत धारण करते हुये नीलकंठ शिवजी की आराधना में लिप्त रहती है उनका सुहाग सदा अमर रहता है। इसी



का परिणाम है कि हर वर्ष महिलाओं को भी साबन मास के दौरान शिवजी की आराधना में लीन देखा जाता है। इस प्रकार से श्रावण मास की विदाई का समय समीप आने के चलते नगर व क्षेत्र में लगातार बह रही धर्म की गंगा बहते हुये दिखाई दे रही है। वही समाजसेवी व पूर्व नपा अध्यक्ष श्रीमति अनीता/रविशेखर जायसवाल से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि निश्चित ही साबन मास भगवान भोले शंकर की आराधना के लिये सबसे प्रिय माना जाता है। इसी के चलते मेरे द्वारा साबन मास के सभी सोमवार विशेष महत्व वाले होते है। इन सोमवार को व्रत धारण करते हुये शिवजी की आराधना करने में कोई कसर नही छोड़ती हूं और आज साबन मास को चौथा सोमवार मेरे लिये विशेष रहा। साबन मास के सोमवार को मेरे द्वारा शिवजी की व्रत धारण करते हुये शिवजी से नगरवासियों व परिजनों की खुशहाली की कामना का बरदान मांगा। इसी प्रकार से शिवभक्त श्रीमति अंजली तोमर का कहना है कि निश्चित ही शिवजी की आराधना



करने से मन को बड़ी शांति मिलती है। क्योंकि मानव जीवन में अनजाने में इस प्रकार की गलती हो जाती है। मगर शिवजी की आराधना से सभी प्रकार की गलतियों को क्षमा कर देते है। वही समाज सेवी ग्राम बारहाबड़ा निवासी श्रीमति सीमा चौरासिया का कहना है कि निश्चित ही शिवजी की आराधना मानव जीवन को नई दिशा दिखाने वाली होती है। इसलिये हर मानव को शिवजी की आराधना करते हुये साबन माह में धर्म लाभ लेना चाहिये। इसी प्रकार से श्रीमति आशा पुरी गोस्वामी का कहना है कि साबन माह पूर्ण रूप से धार्मिक कार्यक्रमों में डूबने वाला होता है, जिसमें शिवजी की आराधना का विशेष महत्व होता है। इसलिये सभी लोगों को इस माह में शिवजी की आराधना करते हुये धर्म लाभ लेने का मौका नही गवाना चाहिये। इस तरह श्रावण मास के अंतिम सोमवार को शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जगह जगह अखंड रामायण पाठ सहित अन्य धार्मिक आयोजन होते हुये देखे गये।



स्वर संक्षेप

रहंगी रैयत में 1 सितंबर
से एमपी ओपन प्रो
कबड्डी प्रतियोगिता

अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहनझिर के प्रतिवर्षी रैथत में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय एमपी ओपन प्रो कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता 1 से 3 सितंबर तक आयोजित होगी, जिसमें विभिन्न स्थानों की टीमों हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर करने वाली टीम को 15,001 रूपए नकद एवं ट्रॉफी, द्वितीय पर 7,001 रूपए एवं ट्रॉफी तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 3,001 रूपए एवं ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। चतुर्थ स्थान की टीम को आकर्षक सांत्वना रूपरेखा प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह उदे, उपाध्यक्ष बलराम धुवे, सचिव जगदीश सिंह धुवे, उपसचिव सानि लाल उदे एवं कोषाध्यक्ष सरिता सिंह परस्ते ने बताया कि इसकी खिलाड़ियों को निर्धारित समयानुसार का विशेष ध्यान रखा होगा। खेल के दौरान विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर संबंधित दोनों टीमों को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाएगा। खेल के दौरान किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जिम्मेदारी स्वयं खिलाड़ी की होगी। पर्यावरण या स्थिति सर्वमन्य होगा। जबकि किसी भी विवाद में अंतिम निर्णय आयोजन समिति का रहेगा। आयोजन समिति के अनुसार 20 किगोमीटर से अधिक दूरी से प्रतियोगिता में शामिल होने आने वाले खिलाड़ियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था समिति द्वारा की जाएगी। समिति ने इच्छुक टीमों से समय पर पंजीयन कर प्रतियोगिता में शामिल होने की अपील की है।

ਪੰਜਾਬ ਦੀ ਟਰਜ਼ ਪਰ ਮਾਮਰ ਮੇ
ਮੀ ਆਏ ਆਊਟਸੋਰਸ
ਪਰਸਨਲ ਬਿਲ 2026

अनुपूर। आल इडपामेट
आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने
मध्यप्रदेश में आउटसोर्स
कर्मचारियों के हित में पंजाब की
तर्ज पर व्यवस्था लागू करने की
मांग की है। मोर्चा के प्रांतीय
संयोजक मनीज भागव एवं
महामंत्री दिनेश सिसोदिया ने कहा
कि प्रदेश सरकार को आउटसोर्स
कर्मियों को ठेकेदारों के भरोसे
छोड़ने के बजाय संबंधित विभागों
से सीधे वेतन भुगतान की
व्यवस्था करनी चाहिए। मनोज
भागव ने आरोप लगाया कि
भाजपा सरकार ने सिवादा एवं
आउटसोर्स कर्मचारियों से किए
वादों को अब तक पूरा नहीं किया
है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 के
विधानसभा चुनाव के दौरान
आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित
करने का वादा किया गया था,
लेकिन 12 वर्ष बीत जाने के बाद
भी यह मांग पूरी नहीं हुई। इसी तरह
वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव
में भाजपा के चुनावी वचन-पत्र के
बिंदु 81.1 में आउटसोर्स कर्मियों
को केंद्र के समान न्यूनतम वेतन
तथा सिवादा कर्मचारी जाने का
वादा किया गया था, लेकिन करीब
तीन वर्ष बाद भी उस पर अमल
नहीं हुआ है। भागव ने कहा कि
पंजाब की भगवत मान सरकार ने
हाल ही में “पंजाब स्टेट
आउटसोर्स पर्सनल बिल क्र.
17/पीएलए/2026” विधानसभा
में पारित किया है। इसके तहत
तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के ग्रुप-
सी और ग्रुप-डी के बिजली
कंपनियों, फायर ब्रिगेड सहित
अन्य जोखिमपूर्ण एवं
आपातकालीन विभागों में
कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को
तीन वर्ष के लिए शासकीय
विभागों एवं उपक्रमों से सीधे
अनुवर्धित करने तथा ठेकेदारों के
बजाय विभाग से सीधे मासिक
वेतन देने का प्रावधान किया गया
है। साथ ही कर्मचारियों को एक
वर्ष का प्रशिक्षण देने की
व्यवस्था भी गई है। उन्होंने
कहा कि जब पंजाब सरकार
आउटसोर्स कर्मियों के हित में
ऐसी व्यवस्था लागू कर सकती
है, तो मध्यप्रदेश सरकार इससे
क्यों कतर रही है। प्रदेश में भी
इसी फार्मूले को लागू करने की
आवश्यकता है। मोर्चा
पदाधिकारियों ने कहा कि
विभागों से सीधे वेतन मिलने पर
ठेकेदारों की मनमानी और कथित
बिचौलिया व्यवस्था पर रोक
लगेगी। कर्मचारियों को कागजों
पर अधिक और हाथ में कम
वेतन मिलने जैसी शिकायतों पर
भी अंकुश लगेगा।

निगवानी वेयर हाउस की व्यवस्था पर सवाल बारिश में भीगी सरकारी धान, हजारों बोरियां खराब होने का दावा

डिंडोरी। जिले में सरकारी धान के भंडारण में कथित रूपान्तरवाही का मामला सामने आया है। निगवानी स्थित वेयर हाउस परिसर में खुले स्टेक में रखी हजारों बोरीयां बारिश के पानी की चोट में आकर खराब होने की बात सामने आई है। कई बोरीयां सड़ चुकी हैं, जबकि कुछ बोरीयों में धान अंकुरित होकर पौधे निकल आए हैं। सरकारी अनाज की इस स्थिति ने भंडारण व्यवस्था और जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

15 हजार बोरियां खराब होने का दावा

जानकारी के अनुसार गिंगनाजी वेयर हाउस परिसर में करीब 75 औपन स्टैक बनाए गए हैं। प्रत्येक स्टैक में लगभग 300 बोरी धान रखे जाने की बात कही जा रही है। परिसर में काम कर रहे मजदूरों के अनुसार लगातार बारिश के कारण बड़ी संख्या में बोरियां भीगकर खराब हुई हैं। करीब 15 हजार बोरियों के खराब होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि वास्तविक रूप से कितनी मात्रा में धान खराब हुई है, इसका आधिकारिक आकलन जांच और भौतिक सत्यापन के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। इन दिनों वेयर हाउस परिसर में मजदूर खराब और उपयोगी धान को अलग करने में जुटे हैं। जो धान कुछ हद तक उपयोगी योग्य है, उसे अलग कर मिलातें तक भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। वहीं सड़ी हुई

बोरियों और उनमें अंकुरित हो चुकी धान की स्थिति भंडारण व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

बारिश के मौसम में खुले स्टोक में क्यों रखा गया अनाज?

मामल में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बारिश के मौसम को देखते हुए सरकारी धान की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए। क्या सभी स्टैंक को पर्याप्त तिरपाल से ढका गया था? क्या पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था थी? यदि समय रहते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाते तो क्या इतनी बड़ी मात्रा में धान को खराब होने से बचाया जा सकता था, यह जांच का विषय है। हजारों बेरियों में धान खराब होने की स्थिति में शासन को लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। हालाँकि नुकसान की वास्तविक राशि धान की खराब मात्रा और गुणवत्ता के आधिकारिक आकलन के बाद ही सामने आएगी। अब प्रशासन की जांच पर निर्वाह है कि वास्तव में कितनी धान खराब हुई, भंडारण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का किताना पालन हुआ और यदि लापरवाही सामने आती है तो इसके लिए जिम्मेदारी किसकी तय की जाती है। सरकारी खाद्यान्न की क्षतिवत् बर्बादी ने एक बार फिर करोड़ों रुपये मूल्य के अनाज के भंडारण में निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।



**उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में हुआ
वृक्षारोपण, 6 फीट ऊंची फेंसिंग से होगी सुरक्षा**



डिंडोरी। जिला मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान को हरा-भरा और व्यवस्थित बनाने की दिशा में राविवर को वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की गई। नगर परिषद डिंडोरी के तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, एसडीएम श्री राम बाबू देवगन, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, उपाध्यक्ष श्रीमती सारिका नायक एवं सीएमओ श्री वेद प्रकाश पुरी सहित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पौधारोपण किया। मैदान के सौंदर्यीकरण और पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कोनोकास के पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण के दौरान कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने लगाए गए पौधों की सुझाव को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने मजबूत डिंडू गांव लोगों के साथ मैदान में मवेशियों के प्रवेश को रोकने तथा स्कुल का गेट बंद रखने सहित आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान नगर परिषद का मैदानी असल तथा सफाई एवं निर्माण विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

एसडीएम राम बाबू देवगन ने बताया कि उत्कृष्ट विद्यालय का खेल मैदान जिले के खिलाड़ियों के अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण स्थल है। मैदान के स्थायी संरक्षण और बेहतर उपयोग के लिए जल्द ही पूरे परिसर को 6 फीट ऊंची मजबूत फेंसिंग से घेरा जाएगा। फेंसिंग होने से अनाधिकृत प्रवेश पर रोक लगाएगी तथा मैदान में कचरा फेंकने और अन्य अव्यवस्थाओं पर भी नियंत्रण किया जा सकेगा। शासन की इस पहल से खेल मैदान के संरक्षण, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण की उम्मीद बढ़ी है। इससे खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण मिलने के साथ नगरवासियों के लिए भी मैदान को व्यवस्थित एवं सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

351
हितग्राहियों
को 7.46
करोड़
की
अनुग्रह
सहायता



अनुयाह सहायता राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार मेहंदवानी के 17 हितवाहियों को 36 कुड्डरियों के 7 हितवाहियों को 16 लाख तथा नगर परिषद शहपुरा के 2 हितवाहियों को मुन्धमंत्रों के कार्यक्रम का सीधा प्रासायन जिला एवं आईसीएस कक्ष में देखा गया। इस अति अधिकारी-कर्मचारी और संवल 2.0 योजना के हितवाहियों मौजूद रहे। संवल 2.0 योजना काराकर नरेंद्रें सामाजिक एवं आर्थिक रूप से संजोत बनाने का प्रयास किया जा रहा और सुगम नरेंद्रों से उपलब्धता कारकों पर जोर दिया जा रहा है।

डिडर। मुसुमन्ती जनकव्यपणा (संख्य 2.0) योजना के महत सोचोवत को डिडरी जिले के 351 हितवाहियाँ के खातो में कुल 1 करोड 46 लाख रुपय की अनुग्रह सहयायता राशि अंतरीत की जाइल। मुसुमन्ती के मोहन यादव ने मुसुमन्ती निवास 'सन्तव' से असासिल विलक के माहयन से पदेशभर के पात्र हितवाहियाँ के सहयायता राशि का वितरण किया।जिले में जनपद पंचायत हतहपुरा के 112 हितवाहियाँ को सवाधिच 2 करोड 36 लाख रुपय की सहयायता मिली। जनपद पंचायत डिडरी के 66 हितवाहियों को 1 करोड 40 लाख, बजाज के 55 हितवाहियों को 1 करोड 20 लाख, सनपपुर के 44 हितवाहियों को 90 लाख तथा करजिया के सहयाहियों को 78 लाख रुपय की लाभ, अमरपुर के 13 हितवाहियों को 26 लाख, नगर परिषद डिडर को सहयायता राशि उनके खातो में अंतरीत की गई। रापर पर कलेक्टर श्रीमती अंजु पजन भदोरीया, श्रम विभाग के अध्यक्ष से पात्र श्रमिक परिवारों को आर्थिक सहयायता उपलब्ध । शासन द्वारा पात्र हितवाहियों को योजनाओं को लाभ पारदर्शी

51वीं बार रक्तदान कर दीपक चौबे
ने बचाई महिला मरीज की जान

शहपुरा – जिला चिकित्सालय डिंडोरी में एक महिला मरीज का हीमोग्लोबिन काफी कम होने के कारण उसे तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। अस्पताल के ब्लड बैंक में संबंधित ग्रुप का रक्त उपलब्ध नहीं होने पर परिजनों के सामने चिंता की स्थिति बन गई। ऐसे समय में रक्तदाता दीपक चौबे ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए करीब 90 मिलिलीटर दूर से जिला अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया और महिला मरीज की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दीपक चौबे का यह 15वां रक्तदान बताया गया है। नियमित रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की मदद करने वाले दीपक ने एक बार फिर यह साबित किया कि समय पर किया गया रक्तदान किसी के लिए जीवन का आधार बन सकता है। रक्त मिलने के बाद मरीज के परिजनों ने दीपक चौबे के प्रति आभार व्यक्त किया। रक्तदान परिवार एवं उनके



महिला मरीज के लिए जीवनदायी साबित हुआ, बल्कि अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करने वाला है।

मेष बदलकर गांजे की तस्करी कर रहे पंजाब के दो आरोपी गिरफ्तार

**निगौरा स्टेशन पर
आरपीएफ ने 15.540
किलो गांजा पकड़ा, कीमत
7.77 लाख रुपए**

अनूपपुर। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन 'नारकोस' के तहत निगौरा रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी भेष बदलकर कपड़ों की पोतलियाँ में गांजा लेकर जा रहे थे। उनके कब्जे से 15.540 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी अनुमानित

कीमत करीब 7.77 लाख रुपए बताई गई है।
जानकारी के अनुसार 24 अगस्त की रात करीब
1.15 बजे आरपीएफ टास्क टीम सहायक उप
निरीक्षक अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में निगीरा स्टेशन
के सर्कुलेंटिंग एग्रीवा में सॉफ़्टवेर व्यक्तिओं और
सामान की जांच कर रही थी। इसी दौरान दो
व्यक्तिवों की गतिविधियों में संदिग्ध नजर आने पर
टीम ने उन्हें रोककर पूछताछ की। तलाशी के
दौरान उनमें पास मौजूद एकड़ों की पोटलियों से
गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों की
पहचान हंसा नाथ (40) और मन्ता नाथ एफ़ लंबू
(39), दोनों निवासी जिला समरपुर, पंजाब के रूप
में हुई है। हंसा नाथ के कब्जे से 7.280 किलो तथा
मन्ता नाथ के कब्जे से 8.260 किलो गांजा

बराहमंड किय गयी। आरपीएफ ने दोनों आरोपियों को जन्म गांजे के साथ जैतहरी पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने अपराध क्रमांक 285/2026 के तहत एनडीपीसी एक्ट की धारा 8/20(ख) में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। आरपीएफ बिलासपुर मंडल द्वारा वर्ष 2026 में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अब तक की कार्रवाई में करीब 550 किलोग्राम से अधिक गांजा जब्त किया जा चुका है, जिसकी अनुमानित कीमत 3 करोड़ रुपए से अधिक है। रेलवे परिसर और ट्रेनों में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए आरपीएफ द्वारा निगरानी और जांच अभियान लगातार जारी है।

जनहित के लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश



डिंडोरी। कलेक्टर सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भट्टारिया ने जिले में संचालित शासकीय योजनाओं, विकास कार्य तथा जनहित से जुड़े लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का विभागवार समय पर मिले और जहाँ-जहाँ से जुड़े मामलों के निराकरण में अनावश्यक विवर्तन न हो। बैठक में सईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, संयुक्त कलेक्टर सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन, डिटी कलेक्टर वैधनाथ वासनिन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सीएम हेल्थलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी शिकायतों की नियमित समीक्षा करें और शिकायतकर्ताओं से समन्वय स्थापित कर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

जन विश्वास शिविरों में मिले योजनाओं का लाभ

कलेक्टर ने जन विश्वास अभियान के शिबिरों को शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्राप्त हिताग्रहियों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने निर्देश दिए कि शिबिरों के आयोजन से पहले विभाग अपने स्तर पर लैबल प्रकरणों का निराकरण करें। साथ ही विभागीय योजनाओं की नियमित समीक्षा कर पात्र हिताग्रहियों को योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैकवर्क में आगामी 31 अगस्त को विकासखंड समनापुर के ग्राम गौराकन्हारी में आयोजित होने वाले जन विश्वास अभियान शिबिर की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शिबिर अधिकारियों को सभी तैयारियाँ निर्धारित समय-सीमा से पहले पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंध में आमजन की सुविधा, योजनाओं की जानकारी, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता और आवेदनों के त्वरित निराकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

किसानों की ई-केवाईसी और फार्मर आईडी का काम समय पर पूरा करने के निर्देश

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने जिले के राजस्व अधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों और पटवारीयों को किसानों को ई-कॉन्सिडरी एफ फार्म आईडी तैयार करने का कार्य निश्चित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारी-कर्मचारी किसानों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करें, ताकि पात्र किसानों को शासन की कृषि योजनाओं, अनुदान और अन्य सुविधाओं का लाभ समय पर मिल सके।

